चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	04.11.2024	--	--

बाजरा को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश की कम्पनी के साथ एचएयू का एमओयू

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

सिटी पल्स न्यूज, हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर परओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	5.11.25	12	3-8

एमओयू

बाजरे की किस्म एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी

एचएयू का आंध्र प्रदेश की कंपनी के साथ समझौता

माई सिटी रिपोर्टर

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय की ओर से विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए है।

कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की किस्म एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

समझौते पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। स्रोत : संस्थान

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है।

बाजरे की उन्नत किस्मों को बढ़ावा देने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर

एचएचबी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिह्नित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना, शुष्क रोधिता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सच कहूँ	5.11.25	3	6-8

हकृवि की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए आंध्र प्रदेश की कंपनी से समझौता

हिसार (सच कहूँ न्यूज)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने सोमवार को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा।

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत यादव व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक ट्रिब्यून	5.11.24	7	1

हकृवि के बाजरा के लिए आंध्र प्रदेश की कंपनी से समझौता

हिसार, 4 नवंबर (हप्र)

चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

5

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि · भूमि	5-11-24	9	5-8

बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए एचएयू का आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ हुआ करार

लगातार बढ़ती जा रही एचएयू द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग: प्रो काम्बोज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने सोमवार को बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एच एच बी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता अगेती मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बिमारियों के रोगरोधी है।

हिसार। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत यादव व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-25	4	1-4

बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के साथ समझौता

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे। इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

हकृवि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। • पीआरओ

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। इस दौरान विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, आइपीआर सेल के प्रभारी डा. योगेश जिंदल, डा. रेणू मुंजाल, डा. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डा. सोमबीर, डा. देवव्रत यादव व डा. हर्षदीप उपस्थित रहे।

यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है: बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एच एच बी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पंकना, शुष्क रोधिता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान है। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्वंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	5-11-25	4	1-4

बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए कंपनी के साथ समझौता

जागरण संवाददाता • हिसार : चौ. चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे। इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं।

उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी, ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें।

हकृवि में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण। • पीआरओ

विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए।

मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डा. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। इस दौरान विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डा. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डा. संदीप आर्य, आइपीआर सेल के प्रभारी डा. योगेश जिंदल, डा. रेणू मुंजाल, डा. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डा. सोमबीर, डा. देवव्रत यादव व डा. हर्षदीप उपस्थित रहे।

यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है: बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डा. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एच एच बी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पंकना, शुष्क रोधिता, अगेती, मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान है। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्वंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अजीत समाचार	5.11.24	7	1-3

हकृवि का आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कम्पनी के साथ हुआ समझौता

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूद कंपनी के अधिकारी और विश्वविद्यालय के अधिकारीगण।

हिसार, 4 नवम्बर (विरेन्द्र वर्मा): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। कुलपति प्रो. बी.आर. काम्बोज ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते (एमओयू) किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी ताकि उन्हें इस किस्म का विश्वसनीय बीज मिल सकें और उनकी पैदावार में इजाफा हो सकें। विश्वविद्यालय की ओर से समझौता ज्ञापन पर अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने तथा आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी की तरफ से श्री वाई रमेश ने हस्ताक्षर किए हैं। मानव संसाधन प्रबंधन निदेशक डॉ. रमेश यादव ने बताया कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने के बाद अब कंपनी विश्वविद्यालय को लाइसेंस फीस अदा करेगी, जिसके तहत उसे बीज का उत्पादन व विपणन करने का अधिकार प्राप्त होगा। इसके बाद किसानों को भी इस उन्नत किस्म का बीज मिल सकेगा। बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की गई है। एच एच बी 67 संशोधित के नर जनक एच77/833-2-202 को चिन्हित (मार्कर) सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया गया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता; अगेती; मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है। यह नई संशोधित संकर किस्म बेहतर प्रबंधन से और भी अच्छे परिणाम देती है व बाजरा की अन्य बिमारियों के रोगरोधी है। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की ओर से ओएसडी डॉ. अतुल ढींगड़ा, मीडिया एडवाइजर डॉ. संदीप आर्य, आईपीआर सेल के प्रभारी डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. रेणू मुंजाल, डॉ. जयंती टोकस, डा. जितेन्द्र भाटिया, डॉ. सोमबीर, डॉ. देवव्रत यादव व डॉ. हर्षदीप उपस्थित रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	5.11.24	3	6-8

एचएयू की बाजरा किस्म को बढ़ावा देने के लिए संपूर्णा सीड्स कंपनी से समझौता

बाजरे की किस्म एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज किया जाएगा तैयार

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की उन्नत किस्मों की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। इसके लिए विश्वविद्यालय ने तकनीकी व्यवसायीकरण को बढ़ावा देते हुए आंध्र प्रदेश की सम्पूर्णा सीड्स कंपनी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। वीसी प्रो. बीआर काम्बोज ने बताया कि विवि द्वारा विकसित उन्नत किस्में ज्यादा से ज्यादा किसानों तक पहुंचे, इसके लिए विभिन्न राज्यों की कंपनियों के साथ समझौते एमओयू किए जा रहे हैं। उपरोक्त समझौते के तहत विश्वविद्यालय द्वारा विकसित बाजरे की एचएचबी 67 संशोधित-2 का बीज तैयार कर कंपनी किसानों तक पहुंचाएगी।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान मौजूदा अधिकारीगण।

बाजरा किस्म को जोगिया रोग प्रतिरोधक बनाया

बाजरा अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल यादव ने बताया कि एचएचबी-67 संशोधित 2 बाजरा की सुप्रसिद्ध संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित का जोगिया रोग प्रतिरोधी उन्नत रूपांतरण है। यह संकर किस्म हरियाणा, राजस्थान व गुजरात के बारानी क्षेत्रों में आम काश्त के लिए 2021 में अनुमोदित की है। एचएचबी 67 संशोधित के नर जनक एच 77/833-2-202 को चिह्नित मार्कर सहायक चयन द्वारा जोगिया रोग प्रतिरोधी बनाया है। इस नई विकसित संकर किस्म एचएचबी 67 संशोधित 2 में एचएचबी 67 संशोधित के सभी गुण, जैसे कि अतिशीघ्र पकना; शुष्क रोधिता; अगेती; मध्यम व पछेती बुवाई, दाने व चारे की अच्छी गुणवत्ता विद्यमान हैं। इसके दाने व सूखे चारे की औसत उपज क्रमशः 8.0 क्विंटल तथा 20.9 क्विंटल प्रति एकड़ है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
	5.11.24	4	8

THE TIMES OF INDIYA
INDIA'S LARGEST ENGLISH NEWSPAPER | To subscribe call 1800 1200 004 or visit subscribe.timesofindia.com

HAU signs MoU with AP firm

Hisar: With an increasing demand for improved varieties of millet developed by the university, Chaudhary Charan Singh Haryana Agricultural University has signed an MoU with Sampurna Seeds Company of Andhra Pradesh to promote technical commercialization. The company will produce seeds of the HHB 67 modified-2 millet developed by the university and supply them to farmers. TNN